मई 2023 अंक 2

अभिव्यक्ति

ई न्यूज लेटर

अनुसूया प्रसाद बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि

पर्यटक गाइड प्रशिक्षण समारोह में शिरकत करती माननीय केदारनाथ विधायक श्रीमती शैलारानी रावत

पर्यटक गाइड प्रशिक्षण के दौरान आयोजित विविध सत्र

प्राचार्य/ संरक्षक

श्री अनुसूया प्रसाद बहुगुणा जी का जन्म 18 फरवरी 1894 को उत्तराखण्ड के चमोली जिले में हुआ था। वे एक वीर साहसी स्वतंत्रता सेनानी व राज्य के लोकप्रिय नेता थे। उनकी प्रारंभिक शिक्षा नंदप्रयाग व मैट्रिक की पढ़ाई पौड़ी से हुई थी। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक किया और बाद में कानून की पढ़ाई की।अपनी शिक्षा पूर्ण करने के बाद वे नायब तहसीलदार के रूप में भी कार्यरत रहे।इस दौरान वे उभरती राष्ट्रवाद की लहर से प्रेरित हुए। 1919 में अनुसूया प्रसाद बहुगुणा व बैरिस्टर मुकुंदी लाल ने 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद अमृतसर में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में भाग लिया, जहां उन्होने अंग्रेजो द्वारा शासित गढ़वाल में लोगों की समस्याओं को प्रस्तुत किया । उन्हें रोलेट एक्ट के विरुद्ध गढ़वाल में एक आंदोलन शुरू करने के लिए कहा गया ।यह कार्य कठिन साबित हुआ क्योंकि, गढ़वाल में अंग्रेजी शासन के प्रति लोगों में वफादारी थी। उन्होंने गढ़वाल के लोगों को एकजुट कर उस समय प्रचलित कुली उतार ,कुली बेगार व कुली बरदायश जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध लड़ने को प्रेरित किया। उन्होंने कंकोड़ा खाल में इस आंदोलन का नेतृत्व किया । 1921 में अनुसूया प्रसाद बहुगुणा के नेतृत्व में गढ़वाल में कुली बेगार प्रथा का अंत हुआ लोगों ने उन्हें 'गढ़ केसरी ' की उपाधि से सम्मानित किया । वह सामाजिक कार्य में निरंतर संलग्न रहे। बद्रीनाथ मंदिर में व्यवस्था बनाने के लिए आवाज उठाई और संयुक्त प्रांत की विधान परिषद में 'बद्रीनाथ मंदिर प्रबंध अधिनियम पारित ' करवाया ।1921 में गढ़वाल श्रीनगर में आयोजित गढ़वाल युवा सम्मेलन के अध्यक्ष नियुक्त हुए, इसी वर्ष गढ़वाल से जिला कांग्रेस कमेटी का मंत्री उन्हें चुना गया ।1930 में महात्मा गांधी जी द्वारा शुरू किए गए 'नमक सत्याग्रह' में अनुसूया बहुगुणा जी ने उत्तराखंड में इस आंदोलन का नेतृत्व किया। दुगड्डा में हुई इस बैठक के बाद उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्हें अंग्रेजी सरकार ने घर में नजरबंद कर दिया लेकिन उन्होंने स्वतंत्रता हेतु संघर्ष को नहीं त्यागा। 23 अप्रैल 1943 को उनकी स्वास्थ्य कारणों से मृत्यु हो गई। 10 अक्टूबर 1974 को इस नायक की याद में अगस्त्यमुनि महाविद्यालय की स्थापना की गई ।

टी. वी. उन्मूलन विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 26/4/2023 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में भारत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम प्रधानमंत्री टी0 बी0 मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 10 लाभर्थियों को आवश्यक और पौष्टिक आहार सामग्री का वितरण एडिशनल सी.एम.ओ रुद्रप्रयाग तथा प्राभारी प्राचार्य अगस्त्यमुनि कालेज के कर कमलों द्वारा किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने अपने संदेश में कहा कि किसी भी बीमारी को शुरुआत से ही गम्भीरता से लेना चाहिए, क्योंकि सावधानी से ही बचाव है। कार्यक्रम में आज के मुख्य अतिथि डॉ विमल सिंह गुसांई ने टी0बी0 उन्मूलन के विषय में बताते हुए कहा कि यदि रोगी 6 माह तक समय पर दवाई लेता रहे तो टी0बी0 से मुक्ति मिलना असम्भव नही है आगे उन्होंने कहा कि यह ला इलाज रोग नहीं है, इस भ्रम को बाहर निकालने की जरूरत है । इस अवसर पर नशा उन्मूलन समिति के नोडल अधिकारी डॉ. दलीप सिंह बिष्ट ने कहा कि हर रोग की दवा आज उपलब्ध हैं परन्तु हर रोगी को अंदर से मजबूत होने की आवश्यकता है, तम्बाकू, गुटका, सिगरेट सहित विभिन्न मादक पदार्थो से आपको अवश्य बचना होगा, क्योंकि टी.बी. रोग में इनका सेवन जानलेवा हो सकता है। इसलिए स्वयं भी औरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की जरूरत है। कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन डॉ विष्णु कुमार शर्मा ने किया ।

सम्पादक की कलम से ...

25 अप्रैल 2023 को केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही केदारघाटी में एक बार फिर चहल-पहल बढ़ गई। केदार घाटी की सड़कों पर चलते हुए ऐसा लगता है मानो पूरा भारत केदारघाटी में सिमट गया है । बाबा केदार के दर्शन के लिए उमड़ी इस भीड़ को देखकर लगता है कि आस्था मार्ग की कठिनाइयों पर भारी है। वास्तव में उत्तराखण्ड राज्य केरल के उस नौजवान का युग - युग तक; पृथ्वी के अस्तित्व तक आभारी रहेगा जिसने उत्तराखण्ड को विशिष्ट पहचान दी। जगद्गुरु शंकराचार्य जी ने केदारनाथ में ज्योर्तिलिंग की स्थापना कर घाटी को पवित्र किया । इसी केदारघाटी में अनुसूया प्रसाद बहुगुणा राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि निरंतर उन्नति की ओर अग्रसर है । जिले की उच्च शिक्षा - व्यवस्था के लिए प्राचार्य महोदया प्रो. पुष्पा नेगी ज़िला नोडल अधिकारी के तौर पर मानक तैयार करने की दिशा में प्रयत्नशील है । उत्तराखण्ड का सौंदर्य एवं तीर्थ हमेशा पर्यटन एवं यात्रियों के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है, एक राज्य के तौर पर अस्तित्व में आने के बाद रोजगार सृजन राज्य के लिए चुनौती बना रहा । उत्तराखंड राज्य के तीर्थ एवं पर्यटक स्थलों ने इस चुनौती को स्वीकार किया । तीर्थ एवम् दर्शनीय स्थलों को रोजगार से जोड़ने का जमीनी स्तर से प्रयास किया गया और यह प्रयास तब अधिक फलीभूत होता दिखा, जब महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में 'उत्तराखंड पर्यटन परिषद' और 'गढ़वाल विश्वविद्यालय' की ओर से 10 दिवसीय टूरिस्ट गाइड डेस्टिनेशन प्रशिक्षण संपन्न कराया गया l इसके तहत 30 प्रशिक्षु प्रशिक्षण के बाद मान्यता प्राप्त टूरिस्ट गाइड बन चुके हैं। नई शिक्षा नीति के अनुरुप पठन-पाठन एवं छात्रों के बहुमुखी विकास हेतु महाविद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रयासरत है। महाविद्यालय में समय-समय पर संगोष्ठी, विचार विमर्श एवं जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। एन. आई. आई. टी. गुड़गांव की ट्रेनिंग एजेंसी द्वारा महाविद्यालय में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के 10 छात्र - छात्राओं का आईसीआईसीआई बैंक के रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर चयन हुआ। महाविद्यालय में छात्राओं को उनकी सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर जानकारी देने के लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। महाविद्यालय के समस्त आधार स्तंभ महाविद्यालय की उन्नति में निरंतर क्रियाशील हैं। इन्हीं समस्त उपलब्धियों को रेखांकित करने के उद्देश्य से 'अभिव्यक्ति' का दूसरा अंक आपके समक्ष प्रस्तुत है ।

संपादक मंडल

डॉ. सुधीर पेटवाल (सहायक प्राध्यापक, गणित विभाग)

डॉ. दीप्ति राणा (सहायक प्राध्यापक, इतिहास विभाग)

डॉ. ममता थपलियाल (सहायक प्राध्यापक, हिंदी विभाग)

महाविद्यालय में सम्पन्न हुआ 10 दिवसीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन गाइड प्रशिक्षण

उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद एवं गढ़वाल विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में 10 दिवसीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन गाइड कोर्स दिनांक 30 अप्रैल 2023 से 9 मई 2023 तक संपन्न हुआ । महाविद्यालय में इस कार्यक्रम का शुभारंभ 30 अप्रैल 2023 को प्राचार्य पुष्पा नेगी जी के संरक्षण एवं कार्यक्रम समन्वयक डॉ के पी चमोली के निर्देशन में संपन्न हुआ ।10 दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिष्ठित विद्वानों ने पर्यटक प्रशिक्षुओं को विविध विषयों पर व्याख्यान दिए। प्रतिष्ठित पर्यावरणविद पद्मश्री श्री कल्याण सिंह रावत, संगीत अकादमी पुरस्कार से सम्मानित प्रोफेसर डीआर पुरोहित, प्रमुख पत्रकार एवं रंगकर्मी श्रीगणेश खुगशाल , प्रोफेसर आरके डोडी, संकाय अध्यक्ष पर्यटन विभाग गढ़वाल विश्वविद्यालय, प्रोफेसर जी एस रजवार पूर्व प्राचार्य पीजी कॉलेज अगस्त्यमुनि एवं शिक्षा एवं समाज सेवा के क्षेत्र से जुड़े विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों ने अपने व्याख्यान दिए इस दस दिवसीय प्रशिक्षण में महाविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा भी व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। 9 मई 2023 को 10 दिवसीय टूरिस्ट डेस्टिनेशन गाइड प्रशिक्षण का समापन धूमधाम से किया गया। केदारनाथ विधायक श्रीमती शैला रानी रावत जी ने इस अवसर पर कहा कि अपनी परंपराओं को जीवित रखते हुए इन्हें पर्यटकों से भी रुबरु करवाना है और अपनी संस्कृति एवं विरासत को विश्व पटल तक विस्तृत कर सकते हैं। मुख्य वक्ता पूर्व निदेशक, उच्च शिक्षा, डॉ सविता मोहन ने बताया कि सुनियोजित ढंग से पर्यटन कार्यक्रम संचालित करने की आवश्यकता है। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉक्टर जी एस रजवार ने बताया कि कैसे फ्लोरा और सोना को सुरक्षित रखते हुए पर्यटन को सफल किया जा सकता है ।इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर पुष्पा नेगी जी ने सभी प्रशिक्षुओं को टूरिस्ट गाइड बनने एवं इमानदारी से कार्य करने की शिक्षा दी। सभी प्रशिक्षुओं को इस अवसर पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

G-20 शिखर सम्मेलन के तत्वावधान में महाविद्यालय में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

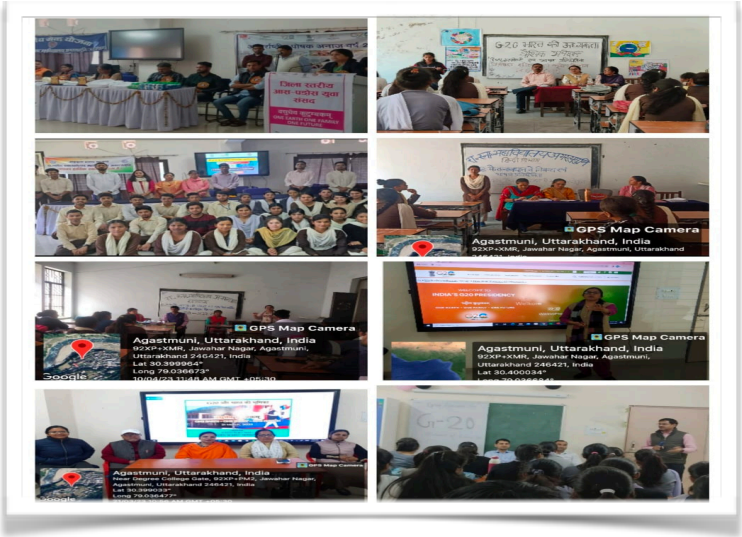

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी के नेतृत्व में विभिन्न समितियों एवम् विभागों द्वारा G-20 शिखर सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है । जिसके तहत G-20 शिखर सम्मेलन में भारत की अध्यक्षता, सम्मेलन का लक्ष्य एवम् भावी उपलब्धियाँ इत्यादि विषयों पर संगोष्ठियों एवम् प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्र – छात्राओं को निरन्तर जागरूक किया जा रहा है । दिनांक 28 मार्च 2023 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन की गरिमामयी अध्यक्षता के माध्यम से स्पष्ट है कि भारत वैश्विक स्तर पर नेतृत्व की अद्भुत क्षमता रखता है, उन्होंने मोटे अनाजों की उपयोगिता पर भी विस्तृत जानकारी दी । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती अरुणा बेंजवाल (नगर पंचायत अध्यक्ष अगस्त्यमुनि) ने भी छात्रों को संबोधित किया। मुख्य वक्ता प्रो. हिमांशु बौडाई (डीन स्कूल ऑफ़ ह्यूमैनिटी एंड सोशल साइंस हे. न. ब. ग. के. वि. वि., पौड़ी परिसर) के द्वारा G-20 की कार्यप्रणाली, लीग ऑफ़ नेशन, यू. एन. ए. की संगठनात्मक प्रवृत्ति इत्यादि पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई । इस दौरान महाविद्यालय के छात्र – छात्राओं द्वारा उक्त विषय पर आधारित भाषण एवम् क्विज़ प्रतियोगिता में बढ़ - चढ़कर प्रतिभाग किया गया । 21 मार्च 2023 को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'G-20 और भारत की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई । जिसमें विभाग के प्राध्यापकों द्वारा कहा गया कि विश्व भारत की अध्यक्षता को आशान्वित दृष्टि से देख रहा है, इस सम्मेलन को सार्थक बनाने में प्रत्येक नागरिक का योगदान आवश्यक है । 31 मार्च को राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई । 29 मार्च 2023 को वाणिज्य संकाय द्वारा 'वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भारत का प्रभाव' विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें संकाय के प्राध्यापकों द्वारा वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, भोजन व ऊर्जा की क़ीमतों में पड़ने वाले प्रभाव इत्यादि बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई । 31 मार्च 2023 को अंग्रेज़ी विभाग द्वारा G-20 शिखर सम्मेलन के परिप्रेक्ष्य में विभागीय परिषद के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई । 5 अप्रैल 23 को समाजशास्त्र विभाग द्वारा 'जलवायु परिवर्तन' एवम् 'कोविड 19 का प्रभाव' विषय पर पोस्टर एवम् निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई । 10 अप्रैल 2023 को वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के प्राध्यापकों द्वारा 'वन अर्थ वन फैमिली वन फ़्यूचर' की प्रासंगिकता, G-20 के दोनों ट्रैक (शैपर्स और फ़ाइनेंश) के कार्यों तथा पर्यावरण संरक्षण, ग्रीनइकोनोमी इत्यादि पहलुओं पर विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी गई । 10 अप्रैल 2023 को संस्कृत विभाग द्वारा 'भारतीय संस्कृति एवम् विरासत' विषय पर पोस्टर एवम् न्यूज़ पेपर कटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई । इस दौरान प्राध्यापकों द्वारा G-20 के गठन, विजन एवम् मिशन की भी जानकारी दी गई । 13 अप्रैल 2023 को हिन्दी विभाग द्वारा 'G-20 शिखर सम्मेलन में भारत का नेतृत्व' विषय पर भाषण एवम् निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विभाग के विभिन्न छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया । इस अवसर पर हिन्दी विभाग के प्राध्यापकों द्वारा G-20 शिखर सम्मेलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, इस सम्मेलन का आदर्श वाक्य 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का महत्व, सम्मेलन का लक्ष्य – युद्ध और शांति, पर्यावरण और जलवायु स्थिरता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुदृढ़ता इत्यादि बिंदुओं पर विस्तृत परिचर्चा की गई । 15 अप्रैल 2023 को विज्ञान संकाय द्वारा एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई । जिसमें संकाय के प्राध्यापकों द्वारा G-20 शिखर सम्मेलन की कार्यप्रणाली, विश्व स्तर पर भौगोलिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एकता में सम्मेलन का योगदान इत्यादि बिंदुओं पर विचार प्रकट किए गए । इसके साथ ही उक्त विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में संकाय के विभिन्न विद्यार्थियों द्वारा विचार प्रकट किए गए । 17 अप्रैल 2023 को कला संकाय के भूगोल, इतिहास एवम् अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में 'G-20 में भारत की अध्यक्षता : वैश्विक अपेक्षाएँ' तथा 'G-20 लोगो एवम् थीम' विषय पर संगोष्ठी, भाषण एवम् पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई । इस अवसर पर प्राध्यापकों द्वारा भी सम्बन्धित विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई ।

प्लेसमेंट ड्राइव में रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर चयनित हुए महाविद्यालय के छात्र - छात्राएं

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अगस्त्यमुनि के कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ के तत्वावधान में दिनांक 11से 12 अप्रैल 2023 को कैरियर प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन महाविद्यालय परिसर में किया गया। इसमें गुड़गांव की ट्रेनिंग एजेंसी एन. आई. आई.टी.लिमिटेड गुडगांव से श्री अमन साहनी नार्थ हेड एन.आई. आई. टी. लिमिटेड, हिमांशु द्विवेदी रिजनल हेड,वैभव चौहान सहायक प्रबंधक एवं रजत गुप्ता सहायक प्रबंधक की भूमिका में रहे।इस ट्रेनिंग एजेंसी के माध्यम से चयनित स्नातक अंतिम वर्ष एवं स्नातकोत्तर कक्षा के उन विद्यार्थियों जिनकी उम्र 19- 25 वर्ष तक है, उन्हें आई.सी. आई. सी. आई. बैंक में उत्तराखण्ड राज्य में रिलेशनशिप मैनेजर के रूप में नौकरी प्राप्त होगी। जॉब के लिए चयन तीन स्क्रीनिंग चरणों में हुआ। पहले चरण में शामिल सभी 70 प्रतिभागियों का इंग्लिश कॉम्प्रिहेंसिव टेस्ट लिया गया। इस चरण में शॉर्टलिस्टेड कैंडिडेट का अगले चरण में साइकोमेट्रिक टेस्ट लिया गया और अंतिम चरण में साक्षात्कार और डॉक्यूमेंट चेक किया गया। कुल 27 प्रतिभागियो में से अनंतिम रूप से 10 प्रतिभागी चयनित किए गए। चयनित प्रतिभागी अभिनव भट्ट , मेघा सजवाण, सरिता, विवेक चंद, अंकिता, अक्षिता, प्रकाश लाल, दीप्ति नेगी, आँचल नेगी, पूनम को प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी के हाथों से ऑफर लेटर प्रदान किया गया। प्रतिभागियो को चयन हेतु आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट पर लॉगिन करके आनलाइन प्रोफ़ाइलर टेस्ट भी देना पड़ा। महाविद्यालय में इस तरह की यह पहली रिक्रूटमेंट ड्राइव आयोजित की गई। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. पुष्पा नेगी ने महाविद्यालय की कैरियर प्लेसमेंट सेल के अथक परिश्रम की सराहना की। प्राचार्य प्रो. पुष्पा नेगी ने विद्यार्थियो को संबोधित करते हुए कहा कि अध्ययन के प्रति अच्छी आदतों का निर्माण, नियमित रूप से समाचार पत्रों व संपादकीय लेख पढ़ना एवं नियमित स्वाध्याय किसी भी प्रतियोगिता में सफलता पाने का मूल मंत्र है। उन्होने प्रसन्नता व्यक्त की कि महाविद्यालय में एक अच्छा शैक्षणिक वातावरण निर्मित हो रहा है। चयनित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी महाविद्यालय के लिए रोल मॉडल बनेंगे। इससे महाविद्यालय के अन्य विद्यार्थियों में भी अध्ययन और प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु उत्साह का संचार होगा। उन्होने एन आई आई टी के नार्थ हेड, रीजनल हेड और दोनों सहायक प्रबंधकों के प्रति आभार प्रकट किया। अनंतिम रूप से चयनित सभी विद्यार्थियों को प्राचार्य, प्लेसमेंट ड्राइव के कोर्डिनेटर डॉ. जितेन्द्र सिंह और चयनकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से ऑफर लेटर भी प्रदान किया गया। अंत में सभी की ग्रुप फोटोग्राफी भी की गई। इस संपूर्ण कार्यक्रम में कैरियर काउंसलिंग सेल के संयोजक डॉ. विष्णु कुमार शर्मा एवं अन्य प्राध्यापकों सहित महाविद्यालय के छात्र- छात्राएं उपस्थिति रहे ।

महाविद्यालय में विधिक साक्षरता एवम् जागरूकता शिविर का आयोजन

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग एवं राजनीति विज्ञान विभाग राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया । इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री रवि रंजन (सिविल जज सीनियर डिवीजन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) के द्वारा महिला अधिकारों, एसिड अटैक, घरेलू हिंसा अधिनियम, साइबर क्राइम एवं अन्य विधिक प्रावधान और महिलाओं से संबंधित कानूनों की विस्तृत जानकारी छात्र - छात्राओं को प्रदान की गई । श्रीमती यशोदा खत्री (अधिवक्ता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रुद्रप्रयाग) ने महिला अधिकारों के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि दिन-प्रतिदिन साइबर अपराध बढ़ने के कारण हम सभी को जागरूक रहने की जरूरत है । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर पुष्पा नेगी द्वारा अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में छात्रों को कर्तव्यों के महत्व के बारे में बताते हुए कहा गया कि अगर हम अपने कर्तव्यों की जानकारी रखते हैं तो अधिकार स्वयं ही मिल जाएंगे, यदि आपको अपने लक्ष्य तक पहुंचना है तो आप को मजबूत बनना होगा, साथ ही उन्होंने कहा कि साइबर अपराध के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए हमें किसी लालच में नहीं आना चाहिए क्योंकि लालच के कारण ही अधिकतर लोग इसमें फंसे हैं इसलिए जागरूकता ही बचाव है । राजनीति विज्ञान विभाग के विभाग प्रभारी द्वारा विधिक जागरूकता एवं साक्षरता की रूपरेखा छात्रों के सामने रखी गई । कार्यक्रम का संचालन डॉ. आबिदा ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों सहित विभिन्न छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे ।

इग्नू इंडक्शन प्रोग्राम सम्पन्न

22 मई 2023 को महाविद्यालय के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र के द्वारा इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया । जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अनिल कुमार डिमरी थे । प्रो. पुष्पा नेगी द्वारा मुक्त विश्वविद्यालय से अध्ययन के उपरांत प्राप्त अवसरों से छात्र छात्राओं को परिचित कराया गया । इग्नू अध्ययन केंद्र के समन्वयक डॉ. अखिलेश्वर कुमार द्विवेदी के द्वारा संचालित कार्यक्रमों की पूर्ण जानकारी छात्र-छात्राओं से साझा की गई । इस अवसर पर महाविद्यालय के परामर्शदाता कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

ई. ग्रन्थालय एवम् एन.डी. एल. आई. के तहत एक दिवसीय अभिमुखीकरण प्रोग्राम का आयोजन

दिनांक 16 मई 2023 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अगस्त्यमुनि में प्राचार्य प्रो० पुष्पा नेगी के निर्देशन में ई-ग्रंथालय एवं एन.डी.एल.आई. के संयुक्त तत्वावधान में अभिविन्यास कार्यक्रम के अंतर्गत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।इसमें प्राचार्य प्रो० पुष्पा नेगी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का युग डिजिटल युग है। इस डिजिटल युग में हमें पठन-पाठन हेतु ई-ग्रंथालय एवं एन.डी.एल.आई. जैसे ऑनलाइन डिजिटल स्रोतों का लाभ अवश्य उठाना चाहिए। प्राचार्य महोदया ने गूगल और एन.डी.एल.आई. में अंतर बताते हुए कहा कि गूगल से ऑनलाइन अध्ययन करते समय मन के भटकाव की संभावना बढ़ जाती है और समय की खपत भी ज्यादा होती है, जबकि एन.डी.एल.आई. में ऑनलाइन अध्ययन करते समय मन के भटकाव की तो संभावना ही नहीं रह जाती, जिससे समय की भी बचत होती है और कम समय में निश्चित पाठ्य-विषय का ऑनलाइन अध्ययन करने में सुविधा होती है। उन्होंने यह भी बताया कि अब अगस्त्यमुनि महाविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा डिजिटल कार्ड के माध्यम से पुस्तकें निर्गत की जा सकेंगी, जिससे निर्गत पुस्तकों का ऑनलाइन सटीक रिकॉर्ड स्वतः ही तैयार होता जाएगा। साथ ही प्राचार्य महोदया ने मुख्यमंत्री टैबलेट योजना से प्राप्त टैबलेट का ई-ग्रंथालय पोर्टल और एन.डी.एल.आई. में उपलब्ध ऑनलाइन पुस्तकों के अध्ययन हेतु अधिकाधिक प्रयोग करने हेतु विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात एन.डी.एल.आई नोडल अधिकारी डॉ० निधि छाबड़ा ने छात्र- छात्राओं को भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए इसके पंजीकरण की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने कहा कि एन.डी.एल.आई संपूर्ण भारत का एक ऐसा पुस्तकालय है ,जिसके माध्यम से शिक्षार्थी विषयवार विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रम की पुस्तकों, रिसर्च आर्टिकल, रिपोर्ट, नोट्स, थीसिस, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के पुराने वर्षों के प्रश्नपत्रों इत्यादि का अध्ययन ऑडियो, वीडियो, टेक्स्ट, पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन इत्यादि विभिन्न रूपों में कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने एन.डी.एल.आई. क्लब में पंजीकरण हेतु छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस क्लब के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन घर बैठे ही विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों के ज्ञान से लाभान्वित हो सकते हैं। इसके पश्चात पुस्तकालय अध्यक्ष श्री संतोष प्रकाश जमलोकी ने ई-ग्रंथालय के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि ई-ग्रंथालय का शुभारंभ उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा 1 जुलाई 2020 में हुआ था। अद्यतन उत्तराखंड राज्य के 116 उच्च-शिक्षण संस्थान ई-ग्रंथालय से जुड़ चुके हैं। इसके तहत सभी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों को ई-ग्रंथालय पोर्टल से जोड़ने की प्रक्रिया गतिमान है। उन्होंने यह भी बताया कि ऑनलाइन पुस्तकें निर्गत करने हेतु अगस्त्यमुनि महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों सहित सभी विद्यार्थियों के डिजिटल लाइब्रेरी कार्ड बनकर तैयार हैं। साथ ही उन्होंने ई-ग्रंथालय की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया एवं ई-ग्रंथालय पोर्टल पर पुस्तक खोज करने की प्रक्रिया को भी समझाया, जिससे विद्यार्थियों को सुविधानुसार अपनी आवश्यकता और पसंद की पुस्तकों का अध्ययन करने में सहायता मिलेगी। इस कार्यशाला का मंच संचालन पुस्तकालय प्रभारी डॉ० सीताराम नैथानी ने किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, कर्मचारी एवम् विभिन्न छात्र - छात्राएं उपस्थित रहे ।

छात्र अभिव्यक्ति

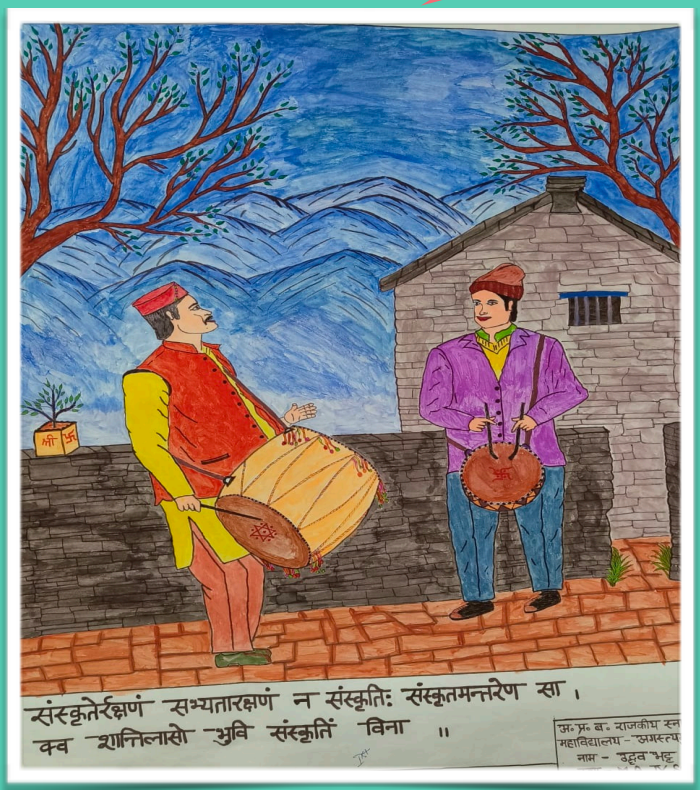

उद्धव भट्ट एम. ए. संस्कृत

निधि बी. ए. तृतीय वर्ष

मानसी बिष्ट बी. ए. द्वितीय वर्ष

साइना रावत बी. ए. द्वितीय वर्ष

विभिन्न गतिविधियाँ

यह न्यूज़लेटर पूर्णतः अव्यवसायिक है। इसका उद्देश्य मात्र महाविद्यालय की गतिविधियों को प्रकाशित करना है ।